नवभारत
भोपाल, सोमवार 27 जुलाई 2026

दाह संस्कार के लिए जलाऊ लकड़ी की कमी

- बेगमगंज मुक्तिधाम का है मामला, लोग परेशान
- मुक्तिधाम में विद्युत शवदाह गृह की मांग ने जोर पकड़ा

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 26 जुलाई. किसी भी नगर में मुक्तिधाम का निर्माण या व्यवस्था स्थानीय नगरीय निकायों के द्वारा की जाती है, जिसके लिए सरकार के वित्त आयोग के द्वारा अनुदान के माध्यम से वित्तीय सहायता देकर बजट भी उपलब्ध कराया जाता है लेकिन बेगमगंज में ऐसा नहीं है.

जहां अभी भी पुरानी पद्धति से जलाऊ लकड़ी से ही दाहसंस्कार हो रहा है लेकिन अब जलाऊ लकड़ी के अभाव में बहुत ज्यादा परेशानी होने से लोग परेशान हो रहे हैं. नगरपालिका द्वारा मुक्तिधाम की भूमि पर शॉपिंग काम्प्लेक्स का निर्माण तो कराया जा रहा है और एक पेयजलापूर्ति के लिए अंदर टँकी का भी निर्माण करा लिया और अपना सामान रखने के लिए स्थान भी आरक्षित कर लिया लेकिन असली काम नहीं कराया गया है.

वर्तमान में करीब एक लाख की आबादी वाले नगर में एकमात्र बड़ा प्राचीन श्मशान घाट भोपाल रोड़ पर सेंट थॉमस कॉन्वेंट स्कूल के ठीक सामने स्थित है. जिसमें नगर के 90 प्रतिशत शवों का दाहसंस्कार किया जाता है. जबकि मात्र 10 प्रतिशत माला फाटक के पास बीना नदी के किनारे वाले श्मशान घाट पर होते हैं.

अंतिम संस्कार के लिए जब जलाऊ लकड़ी की आवश्यकता पड़ती है तो वन विभाग के वन डिपो से 4200 रुपए में खरीदना पड़ती है. लेकिन पिछले 8 माह तक जब डिपो में जलाऊ लकड़ी नहीं बची तो परेशान लोगों को खुले बाजार से 5 से 6 हजार रुपए में मुक्तिधाम से एक किमी दूर से निजी लकड़ी विक्रेताओं से लकड़ी लाने की मशक्कत करना पड़ी. बार-बार लोगों की मांग पर हाल ही में डीएफओ प्रतिभा शुक्ला द्वारा वन विभाग के वन डिपो में जलाऊ लकड़ी भिजवाकर व्यवस्था करवा दी गई है.

समाजसेवी बद्रीविशाल गुप्ता एडवोकेट, राकेश श्रीवास, पीडी नेमा एडवोकेट, राजू नेमा क्षमा, सुनील शर्मा एडवोकेट, श्रीप्रकाश जैन, राजकुमार साहू, शानू रैकवार, विष्णु साहू, रवि वैध इत्यादि सहित अनेकों सनातन धर्मालंबियों ने बताया कि पिछले 8 माह तक वन डिपो में जलाऊ लकड़ी का अभाव बना रहा और लोगों को ऊंचे दामों पर एक किमी दूर से लकड़ी लाने के लिए मजबूर होना पड़ा. बमुश्किल हाल ही में डीएफओ द्वारा डिपो में लकड़ी की व्यवस्था कराई है. जिससे फिलहाल तो राहत मिल गई लेकिन पिछला कड़वा अनुभव है कि चाहे जब लकड़ी खत्म होने पर लोगों को मजबूरी में खुले बाजार से महंगी लकड़ी खरीदना पड़ती थी.

स्थानीय लोगों ने उठाई मांग

इन सब परिस्थितियों के मद्देनजर बेगमगंज में अब जलाऊ लकड़ी की कमी , सामाजिक उत्थान एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिए विद्युत शवदाह गृह के साथ आधुनिक स्नानगृह निर्माण कराने की मांग उठने लगी है . नागरिकों ने शासन -प्रशासन सहित नगरपालिका परिषद, क्षेत्रीय सांसद व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं विधायक देवेंद्र पटेल से बेगमगंज में विद्युत शवदाहगृह स्थापित कराने की मांग की है .

बेगमगंज में एटीएम खाली, लोग परेशान

- एसबीआई ने एटीएम बूथों में लगाए ताले
- नगर के 6 एटीएम में नहीं है नोट

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 26 जुलाई. हर बार की तरह इस बार भी शहर के सभी एटीएम में नोट खत्म होने से जरूरतमंद लोग परेशान हो रहेहैं. भारतीय स्टेट बैंक प्रबंधन ने तो एटीएम बंद कर शटर में तालाबंदी कर दी है.

पिछले कुछ माह से नगर में स्थापित 6 एटीएम में नोट नहीं होने के कारण भारतीय स्टेट बैंक , सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया , आईसीआईसीआई बैंक , मप्र सेंट्रल ग्रामीण बैंक एवं एचडीएफसी बैंक के खातेदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

पिछले दो दिन से फिर से एटीएम में पैसे नहीं होने के कारण जरूरतमंद लोग भारी परेशान हो रहे हैं. उनका आरोप है कि भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम में जब देखो तब या तो पैसा नहीं रहता या फिर मशीन खराब हो जाती है. पिछले दो दिन से तो एटीएम केबिन में तालाबंदी कर दी गई है. जिसके कारण भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहकों को पैसे निकालने एवं जमा करने में सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है. बार-बार शाखा प्रबंधक को समस्या से अवगत कराने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है. ऐसे में जब खातेदार अन्य बैंकों जैसे कि सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, आइसीआइसीआइ बैंक या एचडीएफसी बैंक के एटीएम से पैसे निकालने जाते हैं तो कमोबेश वहां भी यही स्थिति बनी हुई है.

एसबीआई के खातेदारों का आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम खाली पड़े हुए हैं . जिसके कारण अब उन्हें बंद कर दिया गया है . उनमें नोट नहीं होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है . खातेदारों ने मांग की है कि एटीएम व्यवस्था सुधारी जाए ताकि उनकी परेशानियों का हाल हो सके .

दो बाइकों में भिड़ंत, तीन घायल

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 26 जुलाई. बीती रात बेगमगंज -सुल्तानगंज मार्ग पर दो बाइक की आमने -सामने हुई भिड़ंत में एक बाइक पर सवार दो एवं दूसरी पर सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें सागर रेफर किया गया है.

पुलिस सूत्रों के अनुसार ग्राम टडा (सागर) निवासी महेंद्र सिंह 30 वर्ष अपने साथी राजू सिंह के साथ बाइक से बेगमगंज की तरफ आ रहा था और बेगमगंज से अपने घर जैसीनगर जा रहा मुन्ना कुशवाहा नामक युवक की बाइक से आमने - सामने भिड़ंत होने से दोनों बाइक सवार घायल हो गए ,जिन्हें सिविल अस्पताल लाया गया. लेकिन दोनों पक्षों द्वारा एफआईआर नहीं कराई गइ.

बौरास में मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

उदयपुरा. संत श्रीराम बाबाजी के देहत्याग स्थल नर्मदा के तट पर स्थित ग्राम बौरास के बगीचा धाम में 29 जुलाई को गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गुरुपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन श्रीराम बाबा भक्तमंडल के तत्वावधान में आयोजित किया जायेगा. ज्ञात रहे कि परमहंस श्रीराम बाबाजी ने इसी बगीचाधाम में ऋषि पंचमी पर अपना देहत्याग किया था. गुरुपूर्णिमा महोत्सव पर 29 जुलाई बुधवार को सुबह दस बजे श्रीराम नाम संकीर्तन एवं सुन्दरकाण्ड पाठ के साथ ही साथ महागुरु परमहंस श्रीरामबाबाजी का पादुका पूजन भी संपन्न होगा. दोपहर बारह बजे से महाप्रसादी भंडारा के साथ आयोजन का समापन किया.

नीट पेपर लीक में जान गंवाने वाले बच्चों को दी श्रद्धांजलि

कांग्रेसियों ने निकाला कैंडल मार्च, स्टूडेंट्स पर लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 26 जुलाई. क्षेत्रीय विधायक व कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष देवेंद्र पटेल के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने नीट पेपर लीक प्रकरण में जान गंवाने वाले विद्यार्थियों को श्रद्धांजलि देने के लिए निकाला कैण्डल मार्च निकाला और विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज के खिलाफ प्रदर्शन किया.

विधायक के निवास से निकले कैण्डल मार्च में शामिल कांग्रेसियों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा के समक्ष नया बस स्टैंड पहुंचकर नीट पेपर लीक मामले में जान गंवाने वाले 22 विद्यार्थियों को शिद्दत से याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. शनिवार रात 8 बजे नया बस स्टैंड पर विधायक देवेंद्र पटेल के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने नीट पेपर लीक प्रकरण एवं नई दिल्ली में विद्यार्थियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन किया. सभी कांग्रेसी हाथों में जलती हुई मोमबत्तियां लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष पहुंचे और नीट पेपर लीक मामले में जान गंवाने वाले 22 विद्यार्थियों को श्रद्धांजलि दी. विधायक पटेल ने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा पेपर लीक से हजारों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ जो खिलवाड़ किया है. इसी कारण 22 विद्यार्थियों ने जान दी है, उसकी भरपाई नहीं हो पाएगी. सभी दिवंगत विद्यार्थियों के परिवार के सदस्य को केंद्र में नौकरी, एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा देने एवं नई दिल्ली सहित देश भर में शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स पर बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज किए जाने का विरोध करते हुए इसके लिए जिम्मेदार गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफा की भी मांग की.

सलामतपुर में आवारा कुत्तों का आतंक

नवभारत न्यूज

- सलामतपुर पीएचसी में नहीं है एंटी रैबीज इंजेक्शन
- इंजेक्शन के लिए सांची या रायसेन जाना पड़ता है

सलामतपुर, 26 जुलाई. क्षेत्र एवं आसपास के ग्रामीण और शहरी इलाकों में आवारा कुत्तों का आतंक चरम पर पहुँच चुका है. सड़कों पर बेखौफ घूमते आवारा कुत्तों के झुंड के कारण स्थानीय नागरिकों का जीना मुहाल हो गया है.

आए दिन मासूम बच्चों, राहगीरों और बुजुर्गों पर आवारा कुत्तों द्वारा हमला करने के मामले सामने आ रहे हैं. पूर्व में भी डॉग बाइट की कई गंभीर घटनाएँ घटित हो चुकी हैं, इसके बावजूद न तो स्थानीय प्रशासन हरकत में आ रहा है और न ही स्वास्थ्य विभाग इस दिशा में कोई ध्यान दे रहा है. क्षेत्र में दहशत का आलम यह है कि लोगों का सुबह और शाम के वक्त सड़कों पर अकेला निकलना दूभर हो गया है. विशेषकर स्कूल जाने वाले मासूम बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है. नियमानुसार, प्राथमिक स्तर के स्वास्थ्य केंद्र पर एंटी-रैबीज इंजेक्शन की उपलब्धता चौबीसों घंटे और अनिवार्य रूप से होना चाहिए. लेकिन सलामतपुर पीएचसी में लंबे समय से एंटी-रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध ही नहीं हैं. अस्पताल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, अब एंटी-रैबीज इंजेक्शन की एक शीशी में 4 से 5 डोज़ आते हैं. शीशी खुलने के कुछ ही घंटों के भीतर यदि सभी डोज़ इस्तेमाल न हों, तो बची हुई दवा खराब हो जाती है. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में इसकी आपूर्ति ही बंद कर दी गई है. सलामतपुर स्वास्थ्य केंद्र में टीका न मिलने के कारण पीड़ितों को 8 किमी दूर सांची सिविल अस्पताल या 18 किमी दूर जिला अस्पताल रेफर कर दिया जाता है. स्थानीय रहवासी कैलाश गोस्वामी ने बताया कि अस्पताल में जवाब मिलता है कि अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एंटी-रैबीज इंजेक्शन नहीं आते, क्योंकि यहाँ कुत्ता काटने के मामले कम आते हैं. इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये की वजह से पीड़ित को मजबूरी में सांची सिविल अस्पताल या रायसेन ज़िला चिकित्सालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं.

30 जुलाई से होगा सावन मास का शुभारंभ

- शिव मंदिरों में तैयारियां अंतिम चरण में
- पूरे सावन होंगे जलाभिषेक, पूजन-अर्चन

नवभारत न्यूज

सिलवानी, 26 जुलाई. भगवान शिव की आराधना का पावन माह सावन 30 जुलाई से प्रारंभ होने जा रहा है. सावन शुरू होने में अब मात्र तीन दिन शेष हैं. इसके चलते नगर सहित ग्रामीण अंचलों के शिवालयों में तैयारियां तेज हो गई हैं.

मंदिरों की साफ-सफाई, रंग-रोगन एवं सजावट का कार्य अंतिम चरण में है. पूरे सावन माह में प्रतिदिन भगवान शिव के जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, पूजन-अर्चन एवं धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम चलेगा. नगर के प्रमुख शिवालयों में अशोक विहार स्थित मनोकामनेश्वर महादेव मंदिर, बीजासन माता मंदिर परिसर स्थित शिव मंदिर, झिरीया शिव मंदिर, सरस्वती नगर महादेव मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम होंगे.

पांच दिन से थमी बारिश, उमस ने किया बेहाल

तापमान बढ़ने से फसलों पर मंडराने लगा संकट

नवभारत न्यूज

सिलवानी, 26 जुलाई. नगर एवं आसपास के क्षेत्र में पिछले पांच दिनों से बारिश नहीं होने के कारण लोगों को भीषण उमस और गर्मी का सामना करना पड़ रहा है. आसमान में सुबह से शाम तक बादलों की आवाजाही बनी रहती है, लेकिन बारिश नहीं होने से मौसम और अधिक उमस भरा हो गया है. कभी तेज धूप तो कभी बादलों की छांव के बीच लोग बारिश का इंतजार कर रहे हैं.

नगर में अंतिम बार 21 जुलाई को वर्षा दर्ज की गई थी. इसके बाद से लगातार बारिश नहीं होने के कारण क्षेत्र में सूखे जैसे हालात बनने लगे हैं. उमस भरी गर्मी से जनजीवन प्रभावित हो रहा है. दिन के साथ-साथ रात में भी गर्मी से लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है.

मानसून की चाल का खेती पर असर

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार मानसून की अनियमित चाल खरीफ फसलों के लिए चिंता का विषय है . बोवाई के बाद शुरुआती अवस्था में फसलें मिट्टी की नमी पर निर्भर रहती हैं . यदि समय पर वर्षा नहीं होती है तो अंकुरण प्रभावित होने के साथ पौधों की वृद्धि भी रुक सकती है, जिससे उत्पादन में कमी आने की संभावना बढ़ जाती है . कृषि आधारित अर्थव्यवस्था वाले क्षेत्र में समय पर पर्याप्त वर्षा किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है . स्थानीय नागरिकों और किसानों को अब मानसून के दोबारा सक्रिय होने का इंतजार है, ताकि गर्मी और उमस से राहत मिलने के साथ खेतों में खड़ी फसलों को भी जीवनदायी पानी मिल सके .

पौधे रोपकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 26 जुलाई. ग्राम बेरखेड़ी राजाराम निवासी वैदेही ठाकुर ने अपने जन्मदिन यादगार बनाने के लिए एक नई पहल की शुरुआत की है.

पर्यावरण में गहरी रुचि रखने वाली कु. बैदेही ठाकुर ने अपने जन्मदिन पर ग्राम बेरखेड़ी राजाराम में अपने परिवार के सदस्य दादा नत्थू सिंह ठाकुर, पिता लखन सिंह ठाकुर, परिजनों सहित ग्रामीणजनों को साथ लेकर फल एवं छायादार पौधों का रोपण किया जिन्हें वृक्ष बनने तक पोषित करने का संकल्प लेते हुए अपने जन्मदिन को यादगार बनाया है और पर्यावरण के प्रति एक संदेश भी दिया, जिसमें 5 आम, 4 चीकू, 13 नीबू 1 मुनगा सहित वृक्षारोपण किया गया . वैदेही ने रविवार को अपने जन्मदिन पर संकल्प लेते हुए कहा कि वह जीवनपर्यंत अपने जन्मदिन पर होने वाले खर्च को बचाकर प्रति वर्ष पौधरोपण करेंगी और सभी ग्रामवासियों, से कहा कि पेड़-पौधे जीवन का आधार है जो हमें प्राकृतिक ऑक्सीजन देकर जीवनचक्र को सृष्टि के साथ चलाते हैं.आप सभी भी अपने जन्मदिन को वृक्षारोपण कर यादगार बनाए और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाए और अधिक से अधिक पौधरोपण कर देखभाल कर उन्हें पोषित करके अपनी पीढ़ी को विरासत में सौंपे . इस अवसर पर परिजनों एवं ग्रामवासियों ने पर्यावरणप्रेमी बिटिया को आशीर्वाद के रूप में पौधे ही भेंट किए.

स्वच्छता संदेश स्तूप परिसर में डस्टबिन स्थापित, दुकानदारों को वितरित किए गए कपड़े के थैले

विश्व प्रसिद्ध धरोहर सांची में गूंजा स्वच्छता का संदेश

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 26 जुलाई. विश्व प्रसिद्ध यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची में शनिवार को 'स्वच्छ पर्यटन अभियान' के तहत व्यापक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया.

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड एवं इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस अभियान में स्थानीय समुदाय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों, ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों, सफाई कर्मियों, एनसीसी के

विद्यार्थियों, विद्यार्थियों, पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों और स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई. अभियान का उद्देश्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों को स्वच्छ, पर्यावरण-अनुकूल एवं सिंगल-यूज प्लास्टिक मुक्त बनाना तथा स्थानीय समुदाय को स्वच्छ पर्यटन की मुहिम का सक्रिय भागीदार बनाना रहा.

इस दौरान मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी. ने कहा सांची से प्रारंभ हुआ यह अभियान जनभागीदारी आधारित स्वच्छ पर्यटन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. अब प्रत्येक माह प्रदेश के एक प्रमुख पर्यटन स्थल पर इस प्रकार का स्वच्छ पर्यटन अभियान चलाया जाएगा. हमारा लक्ष्य केवल स्मारकों को स्वच्छ रखना नहीं, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश को देश का सबसे स्वच्छ राज्य बनाने की दिशा में कार्य करना है.

आईएटीओ के अध्यक्ष रवि गोसाईं ने कहा कि पर्यटन स्थलों की स्वच्छता देश की सकारात्मक वैश्विक छवि को मजबूत करती है . यदि हमारे पर्यटन स्थल स्वच्छ होंगे तो विश्व स्तर पर भारत की बेहतर पहचान बनेगी . उन्होंने कहा कि 'स्वच्छ पर्यटन, देश की शान' केवल एक संदेश नहीं, बल्कि जनभागीदारी का संकल्प है . उन्होंने विद्यार्थियों से इस अभियान को भविष्य में भी आगे बढ़ाने का आह्वान किया .

जयना रे चरणा रे के भावों में डूबा जैन चैत्यालय

बसंत महाराज ने बताया जिनवाणी का मर्म

नवभारत न्यूज

सिलवानी, 26 जुलाई. नगर के तारण तरण जैन चैत्यालय में रविवार को आयोजित आध्यात्मिक प्रवचन एवं भक्ति कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा. इतिहास रत्नाकर, अध्यात्म रत्न, बाल ब्रह्मचारी बसंतजी महाराज ने हारमोनियम, झांझ और मंजीरों की मधुर स्वर लहरियों के बीच मंदिर विधि की फूलनाओं एवं गाथाओं का सस्वर उच्चारण कराया.

उनके साथ उपस्थित समाजजनों ने भी पूरे भाव और श्रद्धा के साथ इनका सामूहिक पाठ किया, जिससे चैत्यालय का वातावरण भक्तिमय हो उठा .

प्रवचन के दौरान बसंतजी महाराज ने जयना रे - चरणा रे शब्दों का व्यापक आध्यात्मिक अर्थ समझाते हुए कहा कि यह केवल एक स्तुति नहीं, बल्कि आत्मा को सत्य,संयम और सम्यक मार्ग की ओर अग्रसर करने का संदेश है. उन्होंने कहा कि जब श्रद्धा, ज्ञान और भक्ति का समन्वय होता है, तभी जीवन में वास्तविक शांति और आत्मिक आनंद की अनुभूति होती है. उनके प्रेरक उद्बोधन के दौरान समाजजन बार-बार तालियों की गड़गड़ाहट से श्रद्धा व्यक्त करते रहे, जिससे चैत्यालय परिसर गूंजायमान हो उठा.